



Sidhdi

19 Jun 2011

05:15 AM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 119143205

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 19/06/2011
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 05:15:00 घंटे
इष्ट _____: 00:32:17 घटी
स्थान _____: Deoria
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:31:00 उत्तर
रेखांश _____: 83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 05:20:12 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:13 घंटे
साम्पातिक काल _____: 23:07:39 घंटे
सूर्योदय _____: 05:02:05 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:49:58 घंटे
दिनमान _____: 13:47:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 03:22:22 मिथुन
लग्न के अंश _____: 05:26:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: श्रवण - 1
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ऐन्द्र
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamaniishkumar04@gmail.com

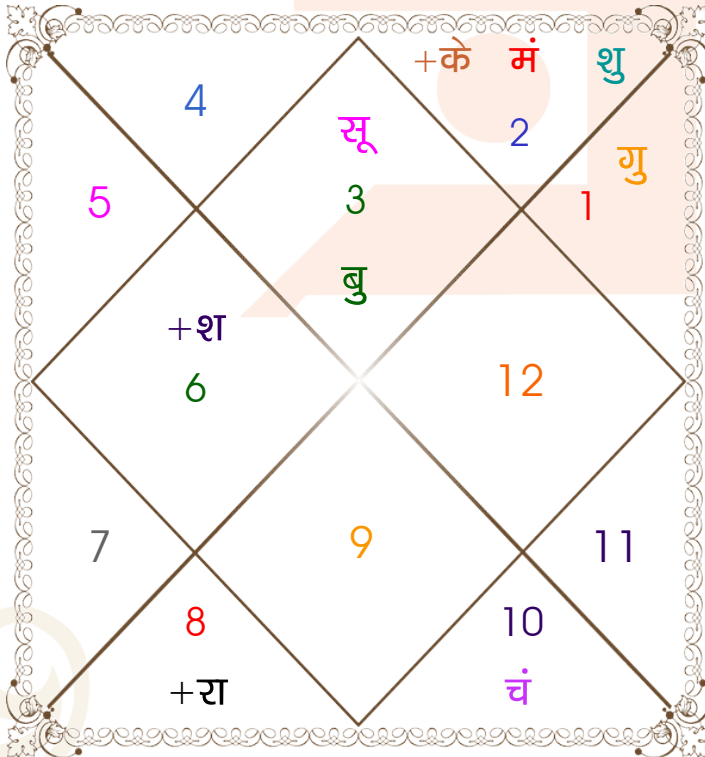
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	05:26:07	331:43:57	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			मिथु	03:22:22	00:57:15	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मक	12:25:17	12:50:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	04:27:11	00:43:03	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
बुध	अ		मिथु	10:40:35	02:07:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु			मेष	08:47:58	00:11:07	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	17:25:15	01:13:11	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	स्वराशि
शनि			कन्या	16:27:02	00:00:35	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	29:24:27	00:00:15	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	29:24:27	00:00:15	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	10:21:50	00:01:01	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	06:50:22	00:00:30	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	12:24:53	00:01:30	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	21:45:45	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

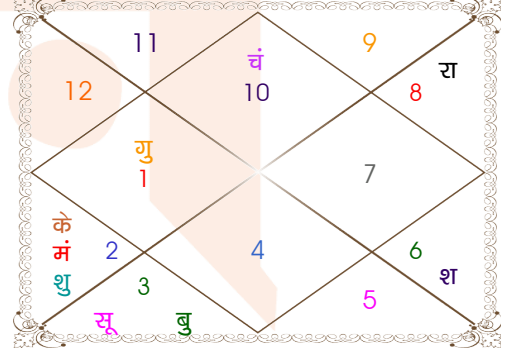
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:19

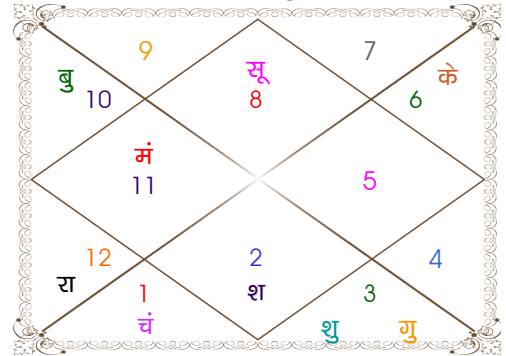
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamaniishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 2 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष 19/06/2011 25/08/2019	मंगल 7 वर्ष 25/08/2019 25/08/2026	राहु 18 वर्ष 25/08/2026 24/08/2044	गुरु 16 वर्ष 24/08/2044 24/08/2060	शनि 19 वर्ष 24/08/2060 25/08/2079
00/00/0000	मंगल 21/01/2020	राहु 07/05/2029	गुरु 12/10/2046	शनि 28/08/2063
19/06/2011	राहु 08/02/2021	गुरु 30/09/2031	शनि 25/04/2049	बुध 07/05/2066
राहु 25/07/2012	गुरु 14/01/2022	शनि 06/08/2034	बुध 01/08/2051	केतु 16/06/2067
गुरु 24/11/2013	शनि 23/02/2023	बुध 23/02/2037	केतु 06/07/2052	शुक्र 16/08/2070
शनि 25/06/2015	बुध 21/02/2024	केतु 13/03/2038	शुक्र 07/03/2055	सूर्य 29/07/2071
बुध 23/11/2016	केतु 19/07/2024	शुक्र 13/03/2041	सूर्य 25/12/2055	चंद्र 26/02/2073
केतु 25/06/2017	शुक्र 18/09/2025	सूर्य 05/02/2042	चंद्र 25/04/2057	मंगल 07/04/2074
शुक्र 23/02/2019	सूर्य 24/01/2026	चंद्र 07/08/2043	मंगल 01/04/2058	राहु 11/02/2077
सूर्य 25/08/2019	चंद्र 25/08/2026	मंगल 24/08/2044	राहु 24/08/2060	गुरु 25/08/2079
बुध 17 वर्ष 25/08/2079 24/08/2096	केतु 7 वर्ष 24/08/2096 26/08/2103	शुक्र 20 वर्ष 26/08/2103 26/08/2123	सूर्य 6 वर्ष 26/08/2123 25/08/2129	चंद्र 10 वर्ष 25/08/2129 00/00/0000
बुध 21/01/2082	केतु 20/01/2097	शुक्र 25/12/2106	सूर्य 14/12/2123	चंद्र 26/06/2130
केतु 18/01/2083	शुक्र 22/03/2098	सूर्य 26/12/2107	चंद्र 13/06/2124	मंगल 25/01/2131
शुक्र 18/11/2085	सूर्य 28/07/2098	चंद्र 25/08/2109	मंगल 19/10/2124	राहु 20/06/2131
सूर्य 24/09/2086	चंद्र 26/02/2099	मंगल 26/10/2110	राहु 13/09/2125	00/00/0000
चंद्र 24/02/2088	मंगल 25/07/2099	राहु 25/10/2113	गुरु 02/07/2126	00/00/0000
मंगल 20/02/2089	राहु 13/08/2100	गुरु 25/06/2116	शनि 14/06/2127	00/00/0000
राहु 09/09/2091	गुरु 20/07/2101	शनि 26/08/2119	बुध 19/04/2128	00/00/0000
गुरु 15/12/2093	शनि 29/08/2102	बुध 26/06/2122	केतु 25/08/2128	00/00/0000
शनि 24/08/2096	बुध 26/08/2103	केतु 26/08/2123	शुक्र 25/08/2129	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 2 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात् शरीर से दुबली लंबी एवं आर्य आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रुख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रुख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दो कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नहीं रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नहीं कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्ति का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नहीं पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamaniishkumar04@gmail.com

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नहीं होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नहीं मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुएँजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नहीं हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।